

इतिहास (प्रश्न-पत्र-II)

समय : तीन घण्टे

अधिकतम अंक : 250

03/04/2015

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें)

इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों में छपे हैं।

परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर तीन प्रश्नों के उत्तर दें।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों की शब्द सीमा, जहाँ उल्लिखित है, को माना जाना चाहिए।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दें।

HISTORY (PAPER-II)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are EIGHT questions divided in two Sections and printed both in HINDI and in ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड—A / SECTION—A

1. निम्नलिखित कथनों में प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए :

Critically examine the following statements in about 150 words each : 10×5=50

- (a) “पंजाब का समामेलन, महाराजा रणजीत सिंह की मृत्यु के पश्चात् आरंभ की गई एक व्यापक उत्तर-पश्चिमी सीमांत नीति का भाग था।”

“Annexation of Punjab was part of a broad north-west frontier policy set in motion after the exit of Maharaja Ranjit Singh.”

- (b) “रेगुलेटिंग ऐक्ट (1773), पिट इंडिया ऐक्ट (1784) तथा अन्ततः 1833 के चार्टर ऐक्ट ने ईस्ट इंडिया कम्पनी को भारत में उसके पहले की राजनीतिक एवं आर्थिक शक्ति की एक छाया मात्र बना दिया था।”

“The Regulating Act (1773), the Pitt's India Act (1784) and eventually the Charter Act of 1833 left the East India Company as a mere shadow of its earlier political and economic power in India.”

- (c) “1859-60 का नील विद्रोह राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन के हमारे इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। हमारे उपनिवेश-विरोधी संघर्ष के इतिहास में सर्वप्रथम उसकी दो स्वतंत्र धाराएँ—स्वतःस्फूर्त कृषक प्रतिरोध एवं कृषकों के समर्थन में संवैधानिक आंदोलन—परस्पर सम्पर्क में आईं।”

“The Indigo Revolt of 1859-60 holds a very significant place in our history of national liberation movement. For the first time in the history of our anti-colonial struggle, its two independent currents—spontaneous peasant resistance and constitutional agitation in defence of the peasantry—came into mutual contact.”

- (d) “बम एवं गुप्त समिति तथा सक्रियता एवं बलिदान के माध्यम से प्रचार के विचार मात्र, पश्चिम से आयात हुए थे।”

“The very idea of the bomb and the secret society, and of propaganda through action and sacrifice were imports from the West.”

- (e) “सर्वत्र मजबूत विरोध के बावजूद रॉलेट विधान को अस्तित्व में बनाए रखना राष्ट्र का अपमान है। राष्ट्रीय गौरव की सांत्वना के लिए उसका निरसन करना आवश्यक है।”

“This retention of Rowlatt legislation in the teeth of universal opposition is an affront to the nation. Its repeal is necessary to appease national honour.”

2. (a) “स्वामी दयानन्द का दर्शन अतिवाद एवं सामाजिक आमूल परिवर्तनवाद, दोनों तत्त्वों का प्रतिनिधित्व करता है।” प्रमाणित कीजिए।

“Swami Dayananda's philosophy represents both elements of extremism and social radicalism.” Substantiate. 20

- (b) “भारत छोड़ो आंदोलन को ‘स्वतःस्फूर्त क्रांति’ के रूप में चित्रित करना आंशिक व्याख्या होगी, उसी प्रकार उसे गौधीवादी सत्याग्रह आंदोलनों के चरम बिंदु के रूप में देखना भी।” स्पष्ट कीजिए।

“To characterize the Quit India Movement as ‘Spontaneous Revolution’ would be partial interpretation, so also would be to look up at it as the culmination of Gandhian Satyagraha movements.” Elucidate. 20

- (c) “परवर्ती 1920 एवं 1930 के दशकों में भारत में एक शक्तिशाली वामपंथी गुट विकसित हुआ जिसने राष्ट्रीय आंदोलन को मौलिक दृष्टि से परिवर्तित करने की दिशा में योगदान दिया।” समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

“A powerful left-wing group developed in India in the late 1920s and 1930s, contributing to the radicalization of national movement.” Critically examine. 10

3. (a) “ब्रिटिश उपनिवेशवाद के शक्तिशाली प्रणोद के अधीन भारतीय अर्थव्यवस्था का औपनिवेशिक अर्थव्यवस्था के रूप में रूपांतरण हो गया, जिसकी संरचना ब्रिटेन की तीव्र विकसित हो रही औद्योगिक अर्थव्यवस्था की आवश्यकताओं के द्वारा निर्धारित हुई।” परीक्षण कीजिए।

“Under the forceful thrust of British colonialism, Indian economy was transformed into a colonial one, the structure of which was determined by the requirements of Britain’s fast developing industrial economy.” Examine. 20

- (b) “जेम्स मिल, उपयोगितावादी दर्शन के जोरदार प्रचारक, ने भारतीय समाज की क्रांति केवलमात्र ‘कानून के शस्त्र’ के माध्यम से लाने का प्रस्ताव किया। परंतु वास्तविक नीति-निर्धारण में, औपनिवेशिक राज्य से ज्यादा, अन्य प्रभाव एवं सोच-विचार कहीं अधिक हावी रहे।” स्पष्ट कीजिए।

“James Mill, the apostle of utilitarian philosophy, proposed a revolution of Indian society through the ‘weapon of law’ solely. But in actual policy framing, other influences and considerations weighed much more than the colonial State.” Elucidate. 20

- (c) “रॉयल भारतीय नौसेना के विद्रोह की घटना को अन्ततः भारतीय स्वतंत्रता दिवस की तरह ही ब्रिटिश शासन की समाप्ति के रूप में चिह्नित किया गया।” व्याख्या कीजिए।

“The Royal Indian Navy Revolt was seen as an event which marked the end of the British rule almost as finally as Independence Day.” Explain. 10

4. (a) राष्ट्रवादी अवस्था के दौरान कृषक आंदोलनों के स्वरूप का विश्लेषण कीजिए तथा उनकी कमियों को उजागर कीजिए।

Analyze the nature of peasant movements during the nationalist phase and bring out their shortcomings. 20

- (b) “जवाहरलाल नेहरू ने, एक घोषित समाजवादी होते हुए भी, एक यथार्थ व्यवहारवादी की तरह, एक नवीन भारत के निर्माण के लिए भवन शिला-खण्डों को उपलब्ध करवाने पर ध्यान केन्द्रित किया।” परीक्षण कीजिए।

“Jawaharlal Nehru, though a declared socialist, was pragmatist enough to focus on providing building blocks to the making of a new India.” Examine. 20

- (c) “यद्यपि 1935 के भारत सरकार अधिनियम ने द्वैधशासन के स्थान पर प्रांतीय स्वायत्तता को स्थापित किया, तथापि गवर्नर को प्रदत्त अधिभावी शक्तियों ने स्वायत्तता की आत्मा को कमजोर कर दिया।” सविस्तार स्पष्ट कीजिए।

“Although the Government of India Act of 1935 replaced dyarchy with Provincial Autonomy, the overriding powers of the Governor diluted the spirit of autonomy.” Elucidate. 10

5. निम्नलिखित कथनों में प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए :

Critically examine the following statements in about 150 words each : 10×5=50

- (a) “ब्रिटेन की तुलना में फ्रांस नये समाजवादी सिद्धांतों एवं आंदोलनों के उद्भव के लिए अधिक उपजाऊ भूमि था, चाहे साकार परिणामों की दृष्टि से ब्रिटेन की तुलना में फ्रांस में उनका कम फलदायी असर रहा हो।”

“France was even more fertile than Britain in producing new socialist theories and movements, though bore less concrete results in France than Britain.”

- (b) “फ्रांस में एस्टेट्स जनरल के अधिवेशन के पूर्व ही नवीन भव्य भवन को शीघ्र कमजोर करने वाले विविध अंतर्विरोधों के स्वर मुखर हो चुके थे। एस्टेट्स के आंतरिक संघर्ष अपने आप ही प्रकट हुए थे।”

“The multiple contradictions that quickly undermined the new edifice, had been expressed even before the meeting of the Estates General in France. The internal conflict among Estates had manifested itself.”

- (c) “जुलाई क्रांति (1830) के नाम से प्रसिद्ध समस्त घटना पूर्ण जनतंत्र की स्थापना के लिए न होकर, पुनःप्रतिष्ठित बूबों की अभिजातवर्गीय और पादरीवादी अभिवृत्ति से मुक्ति पाने के लिए लड़ी और जीती गई थी।”

“The whole episode that is known as the July Revolution (1830) was fought and won not for the establishment of an extreme democracy but to get rid of the aristocratic and clericalist attitude of the restored Bourbons.”

- (d) “मेजिनी की इटली की राष्ट्रीयता की संकल्पना बहिष्कारवादी नहीं थी और उसका प्रधान आदर्श समस्त मानवजाति की नैतिक एकता को पुनर्निर्मित करने का था।”

“Mazzini’s conception of Italian nationality was not exclusive and his dominant ideal was the recreation of moral unity of mankind.”

- (e) “महाद्वीपीय नाकाबंदी ग्रेट ब्रिटेन को आर्थिक रूप से पराजित करने का एक गलत सोचा विचार था।”

“The Continental Blockade was a misconceived idea of economically defeating Great Britain.”

6. (a) “बर्लिन कांग्रेस (1878) पूर्वी समस्या के ताले को खोलने में असफल रही। यद्यपि बर्लिन संधि के बाद करीबन तीन दशकों तक यूरोप में कोई बड़ा युद्ध नहीं लड़ा गया, तथापि भविष्य में लड़े जाने वाले बहुत-से युद्धों के बीज इस संधि में निहित थे।” समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

“The Berlin Congress (1878) failed to unlock the Eastern Question. Though there was no major war in Europe for nearly three decades after the Treaty of Berlin, it contained the seeds of many future wars.” Critically evaluate. 20

- (b) “अफ्रीका का इतिहास केवलमात्र यूरोपीय एवं अमरीकी इतिहास के मोटे शीर्षकों के अंतर्गत विस्तार या केवल उप-प्रकरण के रूप में दिखाई देता है। इस इतिहास-लेखन के अनुसार, यूरोपीय छीना-झपटी के पूर्व अफ्रीका इतिहास-विहीन प्रतीत होता है।” स्पष्ट कीजिए।

“History of Africa appears to be simply an extension or mere sub-theme under the broad headings of European and American history. According to this historiography, Africa seems to be without any history before the European scramble.” Elucidate. 20

- (c) "ट्रुमैन सिद्धांत एवं मार्शल प्लान को रूसी धड़े ने रूसी प्रभाव को सीमित करने के लिए एक शस्त्र के रूप में माना।" समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

"The Truman Doctrine and the Marshall Plan were considered by the Russian Bloc as a weapon against Russia in order to restrict her influence." Critically examine.

10

7. (a) यह कहना कहाँ तक सही है कि प्रथम विश्व युद्ध आवश्यक रूप से शक्ति-संतुलन के संरक्षण के लिए लड़ा गया था?

How far is it correct to say that the First World War was fought essentially for the preservation of the balance of power?

20

- (b) "कियोमिन्तांग की कॉम्युनिस्टों के भीषण आक्रमण के समक्ष असफलता अकल्पनीय थी और वह माओ त्से-तुंग ही था, जिसकी दृढ़ता और नवाचारी उपागम ने न सोच पा सकने वाली सफलता अर्जित करवाई थी।" विवेचन कीजिए।

"The failure of Kuomintang against the communist onslaught was unimaginable and it was Mao Tse-tung whose tenacity and innovative approach had accomplished the unthinkable." Discuss.

20

- (c) "औद्योगिक क्रांति के परिणामस्वरूप मजदूर वर्ग के दमनकारी शोषण ने इंग्लैंड की सामाजिक अंतर्चेतना को झकझोर दिया था।" स्पष्ट कीजिए।

"The oppressive exploitation of the working class in the wake of Industrial Revolution had jolted the social conscience of England." Elucidate.

10

8. (a) "संयुक्त राष्ट्र संघ (यू० एन० ओ०) का निर्माण 'लीग ऑफ नेशंस' के अनुभव के प्रकाश में किया गया था, परंतु संयुक्त राष्ट्र संघ के संविधान में शामिल अधिदेश के बावजूद, विश्व शांति को बनाए रखने में इसकी प्रभावी भूमिका में संसंजकता और सामूहिक उपागम का अभाव रहा है।" परीक्षण कीजिए।

"The UNO was created in the light of experience of the 'League of Nations', but in spite of the mandate contained in the UNO constitution, its effective role in maintaining world peace has lacked cohesiveness and collective approach." Examine.

20

- (b) "यूरोपीय संघ, एक राजनयिक चमत्कार, का आर्थिक विवादास्पद मुद्दों से उद्भूत रुक-रुक कर पैदा होने वाली दरार पड़ने की घटनाओं से लगातार जूझना जारी है, जो संघ के प्रभावशाली एकीकरण के लिए चुनौती बना हुआ है।" समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

"The European Union, a diplomatic marvel, continues to grapple with intermittent fissures arising out of economic contentious issues that pose a challenge to an effective integration of the Union." Critically examine.

20

- (c) "विश्व मामलों में गुट-निरपेक्ष आंदोलन की भूमिका को बड़ा नुकसान हुआ है, जिसका कारण तीसरी दुनिया के राष्ट्रों, जिन्होंने इस आंदोलन का नेतृत्व किया था, के मध्य परस्पर संहारक द्वंद्वों का होना है।" स्पष्ट कीजिए।

"The role of the Non-Alignment Movement in world affairs has suffered greatly due to the theatre of internecine conflicts among the Third World countries who spearheaded it." Elucidate.

10

★ ★ ★